बड़ी आस लगी तुमसे

बड़ी आस लगी तुमसे तेरी और निहारूं मैं
दादी मेरी दादी दादी ही पुकारूँ मैं
बड़ी आस लगी तुमसे .....

कितना कुछ कहना है ये सोच के आता हूँ
तुम्हे सामने पा कर के सब भूल ही जाता हूँ
मेरे आंसू समझती हो कैसे ये नकारु मैं
दादी मेरी दादी दादी ही पुकारूँ मैं
बड़ी आस लगी तुमसे .....

सबने देखा मुझको हर पल मुस्काता हूँ
वो क्या जाने हँसके तकलीफ छिपाता हूँ
चाहे जितना रो लूँ चाहे जितना हारूँ
दादी मेरी दादी दादी ही पुकारूँ मैं
बड़ी आस लगी तुमसे .....

अँधेरे जीवन में तू लायी उजाला है
जब जब भी सचिन भटका तूने ही संभाला है
ज्योति संग सेवा में तेरे चरण पखारूँ में
दादी मेरी दादी दादी ही पुकारूँ मैं
बड़ी आस लगी तुमसे .....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19869/title/badi-aas-lagi-tumse

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |